

गंड प्रदेश पुं. (तत्.) दे. गंडदेश।

गंडमंडल पुं. (तत्.) दे. गंडदेश।

गंडमाला स्त्री. (तत्.) गलगंड, कंठमाला रोग।

गंड मूर्ख वि. (तत्.) भारी बेवकूफ, घोर मूर्ख।

गंडरा पुं. (तद्.) तर जमीन में होने वाली घास, गांडर घास।

गंडरी पुं. (तद्.) 1. पोई का साग जो कफ नाशक होता है 2. सेहुड़ा।

गंडस्थली पुं. (तत्.) दे. गंडदेश।

गंडांत स्त्री. (तत्.) ज्यो. ज्येष्ठा, आश्लेषा, और रेवती नक्षत्रों के अंत की पांच या तीन घटी या मूल मघा और अश्विनी के अंत के तीन घटी।

गंडा पुं. (देश.) 1. तागे, रस्सी आदि में लगाई जाने वाली गाँठ 2. वह धागा जिसे रोगी के गले या हाथ में बाँधते हैं।

गंडासा पुं. (देश.) चारा काटने का औजार, परशु।

गंडु पुं. (तत्.) 1. ग्रंथि, गाँठ 2. अस्थि, हड्डी 2. गेंडुक, तकिया।

गंडूल वि. (तत्.) 1. गाँठो वाला, गाँठदार 2. टेढ़ा वक्र, झुका हुआ।

गंडूष पुं. (तत्.) 1. हथेली का गड़ढा, चुल्लू 2. पानी से किया जाने वाला कुल्ला 3. हाथी की सूंड की नोक।

गंडेरी स्त्री. (तद्.) ईख या गन्ने के छोटे टुकड़े जो छोटे कोल्हू में पेरने या चूसने के लिए काटे जाते हैं।

गंडोरा पुं. (तद्.) हरी कच्ची खजूर।

गंडोल पुं. (तत्.) 1. कच्ची शक्कर, गुड 2. कौर, निवाला।

गंतव्य वि. (तत्.) जहाँ किसी को जाना हो, गम्य, चलने योग्य।

गंता पुं. (तत्.) 1. जाने वाला 2. पाने वाला, सहवास करनेवाला।

गंतु वि. (तत्.) 1. जानेवाला, चलने वाला 2. पथिक, बटोही 3. पथ मार्ग।

गंत्रिका स्त्री. (तत्.) छोटी गाड़ी।

गंत्री स्त्री. (तत्.) छोटी गाड़ी, बैलगाड़ी।

गंद स्त्री. (फा.) 1. मलिनता, सड़ांध, गंदगी 2. दोष, खराबी 3. अशुद्धि 4. मटमैलापन।

गंदगी स्त्री. (फा.) 1. मैलापन, मलिनता 2. अपवित्रता, अशुद्धता 3. नापाकी 4. मैला, गलीज, मल 5. दुर्गंध, बदबू।

गंदना पुं. (तद्.) 1. प्याज लहसुन की जाति का एक मसाला 2. एक प्रकार की घास।

गंदम पुं. (देश.) एक पक्षी विशेष।

गंदा वि. (फा.) 1. मैला, मलिन 2. नापाक, अशुद्ध 3. धिनीना, धृणित।

गंदा पानी पुं. (फा.) 1. मद्य, शराब 2. वीर्य, रज।

गंदुम पुं. (फा.) गेहूँ।

गंदुमी वि. (फा.) गेहूँ के रंग का, ललाई लिए हुए भूरा, गेहूँआ।

गंध स्त्री. (तत्.) 1. वह गुण विशेष जो नाक द्वारा सूंघने पर प्रतीत होता है, बास, महक 2. सुगंध, सुवास 3. वह सुगंधित द्रव्य जो शरीर में लगाया जाता है 4. सामान्यतः हवा के रूप में किसी के आने का पता लगाना उदा. आपके आने की तो गंध तक न मिली।

गंधक पुं. (तत्.) एक तीक्ष्ण गंधयुक्त खनिज पदार्थ जो दवाओं तथा अन्य उपयोगी रूपों में प्रयुक्त होता है, शोभांजन, सुगंध।

गंधकाम्ल (गंधक+अम्ल) पुं. (तत्.) गंधक का अम्ल, गंधक का तेज़ाब।

गंधकाष्ठ पुं. (तत्.) 1. अगर की लकड़ी, अगरू 2. चंदन।

गंधकी वि. (तद्.) गंधक के रंग का, हलका पीला।

गंधकेलिका स्त्री. (तत्.) कस्तूरी।